शांति शिक्षा एवं सतत विकास

D.El.Ed
4th Semester

Narendra Singh
DIET - Lecturer

प्रमुख शिक्षण बिंदु :-

- *शांति के लिए निर्माणकारी व्यवहार की रणनीतियां*
- अवांछित व्यवहार को सकारात्मक तरीके से हतोत्साहित करने की रणनीतियां
- शांति के लिए निर्माणकारी सकारात्मक व्यवहारिक हस्तक्षेप और सहयोग के प्रोत्साहन हेतु रणनीतियां

व्यवहार का आशय :-

- व्यक्ति का व्यवहार वह तरीका है, जिस प्रकार वह आचरण या बर्ताव करता या अनुक्रिया करता है। यह व्यक्ति के कार्य करने, प्रभाव डालने या बदलने का ढंग है।
- एक प्रकार से व्यवहार व्यक्ति द्वारा स्वयं: और अपने पर्यावरण के संयोजन में की गई क्रियाओं या कार्य करने के ढंगों का विस्तार या प्रसार क्षेत्र है। इसे व्यक्ति के विभिन्न उद्दीपनों, चाहे वे आंतरिक हों या बॉह्य, चेतन हों या अवचेतन, प्रकट या अप्रकट तथा ऐच्छिक या अनैच्छिक हों, के प्रति अनुक्रिया को व्यक्त करता है।

कुछ बिंदुओं को जानें -

- सकारात्मक व्यवहार हमारे कार्य को अच्छा बनाते हैं और हमारे आत्मसम्मान तथा आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं।
- दूसरों की प्रशंसा करना हमें अच्छा अनुभव कराता है। जब हम अच्छा अनुभव करते हैं, तब हम प्रतिदिन की परिस्थितियों को सकारात्मक ढंग से पूर्ण करते हैं।
- हमें आत्म परीक्षण पूर्ण ईमानदारी से करना चाहिए।
- स्वाभाविक रूप से हमें दूसरों की प्रशंसा ईमानदारी से करनी चाहिए।
- सकारात्मक दृष्टिकोण हमें अपनी असफलताओं और कर्मियों को पहचानने में सहायक होता है, जिससे हम उन कमियों को दूर करने में सक्षम होते हैं।

- हमें तनावपूर्ण परिस्थितियों में सकारात्मक व्यवहार अपनाने का कौशल स्वयं में विकसित करना होगा। तभी हम सकारात्मक परिस्थितियों में उचित ढंग से व्यवहार करने में कुशल हो सकेंगे।
- हमें विभिन्न परिस्थितियों में कई प्रकार के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों ही विचारों का अनुभव होता है जैसे- खुशी, संतुष्टि, गुस्सा, दुख, निराशा।
- किसी भी तनावपूर्ण परिस्थिति को सकारात्मक तरीके से व्यक्त करना, नकारात्मक विचारों को समाप्त करने में मदद करता है, तथा उसके साथ ही परिस्थितियों का विश्लेषण करने तथा उसके कारणों को समझने, और भविष्य में पुनः न करने तथा परिस्थितियों को सुधारने में मदद करता है।
- प्रत्येक व्यक्ति स्वयं में अनोखा एवं विविध योग्यताओं वाला होता है, जिसका अपना महत्व होता है।

<u>शांति के लिए निर्माणकारी व्यवहारिक रणनीतियां :-</u>

- अगर हम विश्व को वास्तविक शांति का पाठ पढ़ाना चाहते हैं, तो हमें शुरूआत बच्चों से करनी होगी।”- ***<u>महात्मा गाँधी जी</u>*** के अनुसार।

- इसी सन्दर्भ में ***<u>मारिया मान्टेसरी</u>*** का कहना है- “सारी शिक्षा शान्ति के लिए ही है।”

शान्ति के लिए शिक्षा के मुख्य कार्यक्षेत्र है -

- शिक्षा के द्वारा व्यक्तियों में शांति के प्रति झुकाव पैदा करना।
- विद्यार्थियों के भीतर उन सामाजिक कौशलों और अभिरूचियों का पोषण, जो दूसरों के साथ सामंजस्यपूर्वक जीने के लिए जरूरी है।
- संविधान में सुविचारित सामाजिक न्याय की अवधारणा पर बल देना।
- धर्मनिरपेक्ष संस्कृति को प्रचारित करने की जरूरत ।
- लोकतांत्रिक संस्कृति को प्रेरित करने वाले उत्प्रेरक के रूप में शिक्षा।
- शिक्षा के द्वारा राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देने के प्रयास।
- जीवन शैली सम्बन्धी एक आन्दोलन के रूप में शांति के लिए शिक्षा।

- शांति के लिए शिक्षा प्रदान करते समय हमें निम्नलिखित सुझावों पर ध्यान देना होगा, यथा-
- बच्चों के प्राथमिक विद्यालयी वर्षों में मूल्यों की नींव रखने और व्यक्तित्व के निर्माण पर जोर दिया जा सकता है।
- उच्चतर प्राथमिक विद्यालय के दौरान विद्यार्थी भारतीय इतिहास, दर्शन और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में शांति की संस्कृति को देख पाने में समर्थ बन सकें।
- शांति के लिए शिक्षा नागारिकता सम्बन्धी शिक्षा पर अधिक केन्द्रित होनी चाहिए।

- **कक्षा 11 एवं 12 वीं के स्तर पर शांति के लिए शिक्षा निम्नांकित बिन्दुओं पर ध्यान केन्द्रित कर सकती है, यथा-**
- हिंसा के कारणों, उसके तरीकों और अभिव्यक्तियों की समझ।
- मुद्दों की वस्तुनिष्ठ समझ हासिल करने का कौशल।
- शांति पर एक वैश्विक दृष्टिकोण का विकास।

अंवाछित व्यवहार को सकारात्मक तरीके से हतोत्साहित करने की रणनीतियाँ :-

- वाद-विवाद, संगोष्ठी और श्रव्य-दृश्य आयोजन में शांति को शामिल कर छात्रों को शांति निर्माण का कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।
- भूमिका निभाने, नाटकों, शांति कविताओं के सृजन, शांति गीत आदि में बच्चों की भागीदारी।
- अंतर्राष्ट्रीय दिवसों यथा- मानवाधिकार दिवस, बाल दिवस, संयुक्त राष्ट्र दिवस, विकलांग दिवस, पर्यावरण दिवस आदि में भागीदारी।

- दूसरों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना। बच्चों को वृद्धाश्रमों, अन्य पीड़ित, संगठनों के दौरे के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है जिससे उनमें उनके कल्याण की भावना का विकास हो सके।
- स्कूल और पड़ोस में धार्मिक उत्सवों और राष्ट्रीय दिवसों को मनाना।
- सहनशीलता और समझ को बढ़ाने के लिए कहानियों और चर्चाओं को बढ़ावा देना।
- शांति से जुड़े आयामों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए "टेलीविजन और रेडियो खेलो" और साथ ही साथ "शांति प्रचारों " का प्रयोग भी किया जा सकता है।

सकारात्मक व्यवहारिक हस्तक्षेप और सहायता

- कक्षा के वातावरण में परिवर्तन
- पाठ्यक्रम में क्रियाओं का अनुकूलन
- सकारात्मक व्यवहार की प्रशंसा
- दूसरे व्यवहार को अपनाने का कौशल सिखाना
- शिक्षक को सकारात्मक भावनाएं और अनुभव जगाने चाहिए।
- स्व को समझने मे मदद करनी चाहिए, प्रश्न पूछे जाने पर पूछताछ सम्बन्धी खुलेपन को बढ़ावा देना चाहिसं
- सस्कारों को खोजने एवं निर्माण करने की समझ होनी चाहिए। तथा संस्कारों को प्रयोग में लाने के अवसर उपलब्ध कराने चाहिए।

शिक्षण अधिगम संबंधी गतिविधियों के कुछ उदाहरण :-

- उन विभिन्न तरीकों का प्रदर्शन करें जो कोई घर या स्कूल में बुजुर्गों को सम्मान देने के लिए अपनाता है। हम वस्तुएं माँगते समय, सुनते समय और बात करते समय किस प्रकार आदर का प्रदर्शन कर सकते हैं? (परिवेश सम्बंधी/अध्ययन भाषा में)
- कठपुतलियों का प्रयोग करते हुए उचित शब्दों एवं मुद्राओं की सहायता से यह प्रदर्शित करें कि द्वंद्वों के हल शांतिपूर्ण ढंग से कैसे होते हैं। (पर्यावरणीय अध्ययन/भाषा)
- यह बतलाना कि गुस्सा शांति का कैसे नाश करता है। (सामाजिक विज्ञान/भाषा)

- तस्वीर पर आधारित कहानी, कविता, विचार को चार्ट पर प्रदर्शित करना। वास्तविक होने के अलावा कहानी कोई सामाजिक या नैतिक संदेश देने वाली भी हो सकती है। (भाषा)
- दूसरों के प्रति संवेदनशील, सहनशील होने पर कहानी लिखना। विभिन्न विषयों पर अखबारों की क्लिपिंग, पत्रिका, लेख, इकट्ठे करना और दीवार पत्रिका बनाना। (भाषा)
- समूह कार्य, उपलब्ध संसाधनों के प्रयोग से कमजोर छात्रों को प्रभावित करने वाली किसी समस्या का हल निकालना। (पर्यावरणीय/सामाजिक विज्ञान)
- एक वस्तु दिखाइए, उदाहरण के लिए फूल, और बच्चों से कहिए उस पर कुछ पंक्तियाँ, कविता या गीत लिखें जिसमें फूल या अन्य वस्तु की विशेषताओं की तुलना अच्छे व्यक्ति से की जाए। (भाषा)

- ईमानदारी और कड़ी मेहनत जैसे मूल्य दर्शाने वाली कविता या गीत का सृजन (भाषा)
- शिक्षक के जीवन का एक दिन विषय पर लेखन। (भाषा)
- स्थानीय अनाथालयों और वृद्धाश्रमों के लिए कार्यक्रम आयोजित करना जिससे विद्यार्थी/छात्र समुदाय को इस समूह के अकेलेपन, दर्द और मजबूरी को महसूस कर सकें।
- नाटकों, सामूहिक गान और समूह कार्य आदि द्वारा सामाजिक कौशल के विकास के अवसर उपलब्ध कराएं।
- शांति संदेश के साथ अधूरी कहानी को विभिन्न तरीकों से पूरा करें। (भाषा)
- व्हील कुर्सी पर बैठे व्यक्ति के प्रति मदद करने वाले और ख्याल रखने वाले भाव, तरीके, मुद्राओं का प्रदर्शन करें। (भाषा)

“Thank You”